भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3033
दिनांक 21 दिसम्बर, 2023

पेट्रोलियम उत्पादों का आयात

†3033. श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों के आयात का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सरकार की पुन:चक्रण न किए जा सकने वाले प्लास्टिक और अपव्यय के माध्यम से पेट्रोलियम ईंधन का उत्पादन करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या भारत विश्व का छठा सबसे बड़ा पेट्रोलियम उपभोक्ता है और वर्ष 2030 तक इसकी खपत दोगुनी होने की संभावना है और यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ड.) सरकार द्वारा आगामी वर्षों में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं ?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) पिछले तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों के आयात का विवरण निम्नानुसार है-

वित्त वर्ष	**मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) में मात्रा**
2020-21	43.2
2021-22	39.0
2022-23	44.6
2023-24 (अप्रैल-अक्टूबर) (अ)	27.8

स्रोत – पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ
(अ)- अनंतिम

(ख) और (ग) अपुनर्चक्रणीय प्लास्टिक और अपशिष्टों से पेट्रोलियम ईंधनों का उत्पादन अनुसंधान एवं विकास/प्रदर्शन अवस्था पर है।

(घ) और (ङ) ऊर्जा संस्थान (ईआई), एक चार्टेड पेशेवर सदस्यता वाले निकाय द्वारा प्रकाशित विश्व ऊर्जा 2023 की सांख्यकीय समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत शीर्ष पाँच तेल एवं गैस उपभोक्ताओं में था। भारतीय रिफाइनरियों की वर्तमान रिफाइनिंग क्षमता 253.2 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (एमएमटीपीए) है। भारतीय रिफाइनरियों की रिफाइनिंग क्षमता में वर्ष 2028 तक लगभग 56 एमएमटीपीए तक वृद्धि होने का अनुमान है। यह क्षमता अनुमानित माँग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगी।

****